

१३

गुरुमंडल

ASHA ARCHIVES

आशा नरकवाथि

1.132

ASHA

नायस्यं तु नाविनिदिसे सविना समञ्जे तस्मै नमस्कृतिनिर्यं गुवृणा
स्कृताय ॥ ॐ नमो वृधाय गुवृवं नमो धर्माय गावृनी नमो संधाय
महस्कृमयी श्यायि सततं नमः सर्ववृधं नमस्यामि धर्मं च जिनरा
षितं संधं च शीलं संपन्नं नत्तं गुयं नमस्कृतं नत्तं गुयं भिसन्नं स
र्वप्रतिदि सा भय अनुमोद जगत् पूज्य वृध बाधो दध्मन्न आ वा

धो र्दुर्नयामि वृध धर्म गना लु मवा धो चित्त्वं नाम भस्वपना
धपु मि धर्मा उन्म दयामि यन्न मं वन वा धि चित्त्वं निर्म गुयामि अ
ह सर्व सत्त्वा ॐ स्त्री च निरु व न वा धि चानिका वृधे र्दुर्नयं जगत्
हि माय कुर्या य मि जसं सख स हि माय द स न सर्व पा धा ना पु न्या
नी चानु मा दना कृता य वा सी कानि व्या मि आ र्या र्था ग पा व ध मया वा

लनमूधन ऊर्गुकिंचित्पापमागम प्रकृत्याय (ध) सारुध प्रकृत्या
बुधभवच नरुय दसेया मषताथानाम गगचिर्न कर्ताजली ई
खवीती पुतिप न पूनपून अतयमनयन नपुतिगृहं रुतायका नह
दकविदंनार्थ नकर्तुर्वी पूनर्मया जथा न तथागताया ईहो सम्यक्
संबुधज्ञानन बुधच रुघा यानेति पस्यति नतूकुसलमूलं नितमनू

हनाया सम्यक्सीवाधो तथाहं पतिनामिर्न पतिनामयामि ॥ तथा
ममाननसमानकाली लोकस्य दुःखं च सुखादयं च हर्तुं च कर्तुं च स
दागुसकिं नमूप्रकासं जल्येव रात्रा दृष्ट सुगो नू ससृतिमागता वा
पृथक्था यागमयागतावा सर्वप्रकारं जगता हिताय कुर्यायमि
ऊर्षीं शुखसीहिताया ॥ पूजायाया ॥ वोर्क दासलनय ॥ ॐ श्रीं आचम

ऊं कीं ॥ ओं धर्म धातु वज्र ॥ ॥ ओं ह्रीं स्वाहा वज्र ॥ ओं ह्रीं स्वाहा ॥
घृष्ट ॥ वज्र सत्त्व संग्राहक वज्र नत्व सत्त्व न वज्र धर्म ग्राहक नीव
ऊं कर्म कुली न हव ॥ ओं रक्ति जहं ३ ॥ ओं ॐ द्यादया महावीना लोक
पाला महर्षि को कोलयंति दस को ध विघ्न हन्ती नमस्तुते ॥ कि गति
न ॥ विद्वती ॥ विशान वृध विव दिवस कल धन नासिया विद्वन् वं

भोगीयं चानन्यं सिनसिवर्ह न मंश धा धं च गार्तु पद्म सुंदर नृप
कुलित न वपुषं वजी ली लीम नाद विष्ण न ह्ना न नृप निहि न ह वर
यं पंचमूर्ति प्र नम्य ॥ ॥ स्वां जा कि लं य स धू ल्यं वलि स हा य क
॥ ओं ॐ द्यादिवजी सह द व संधे नीमं च गृहं वनी विसिष्ट जूने
ऊं मी नै म न ह् पति न्द वा आ पा पती वायु धना धि य न्द ॐ सान

नवज साहावा दमका ही ॥ धूतया ॥ ॐ वज्र धूपमाला वज्र धूप प्रगी
 कृत्वा हा ॥ धामंदधिले ॥ ॐ वज्र रुमरेख सुलये सुवर्ण जल धाने
 स्वाहा ॥ सिद्धि निक ॥ ॐ वज्र सिंधू निलख रु वन स्वाहा ॥ गजका
 ॥ ॐ वस्तु वास स स्वाहा ॥ स्वीकृताया ॥ ॐ वज्र पूर्य प्रतिष्ठ स्वाहा ॥
 हाजा ॥ ॐ वज्र नेविद स्वाहा ॥ समय ॥ ॐ निर्य्याग यामि याचं हा ॐ

समयाचार्य नेवद स्वाहा ॥ धाला ॥ ॐ नमो रगवत वीनवीने वपना
 यमहा कल्या गति सनिराय दंडा कटले नवाय अमि मूल पत्र
 सूर्या गृहीत हस्ताय अमृत कुंदलि खरव वाहि २ गिष्ट २ वंध २
 हन २ द ह २ गज २ विस्फोट्य २ महा गनपती त्रिविगांधका नाय व
 पूषाय हं हं रुद स्वाहा ॥ मगवी ॥ ॐ वज्र दीपमाला वज्र दीप प्रगी कृ



Handwritten Chinese characters, likely a musical score or lyrics, arranged in several lines below the staff. The characters are written in black ink and are somewhat faded and blurry. The text is arranged in a way that suggests it is a musical score or a set of lyrics corresponding to the staff above.

यक यकं यकं कि १
 यक इनां इय नमि २
 यक नि नि नि नि सा ३
 यक चाली चालयी ४
 यक यार्च पा च हा ५
 यक छुं चं क च र ६
 यक सा गी सा ग र्ग ७
 यक आर्थ आर्थ च्या ८
 यक न डी न डी ग ९
 यक दसा दसा मि ग १०
 हि यकां हि य ना सि २
 हि य इनां चालयी ४
 हि य कि नि क डी व ३
 हि य चाली आर्थ च्या ८
 हि य पा चंद स मि ग १०
 हि य क डी वा च सी नयी १२
 हि य सा ग चो ध र्ग वि १४
 हि य आर्थ सा ध र्ग व १३
 हि य न डी अर्थ च र्ग च्या १८
 हि य दसा विस नी ग २०

नि नि य का नि नि सा ३
 नि नि इनां क डी व ४
 नि नि नि यी न व ग ५
 नि नि चाली वा ध १२
 नि नि पा चं ध ध र्ग हा १५
 नि नि क डी अर्थ म र्ग च्या १८
 नि नि सा र्थ यका र्ग र्ग नो कि २१
 नि नि आर्थ चो विस नी वि २४
 नि नि न डी स ग र्ग र्ग स नी र्ग २७
 नि नि दसा नि स र्ग य ग ३०

यार्थ चाली चाली ४
 चान इनां आर्थ च्या ८
 चान नि नि नि वा ध र्ग न सि १२
 चान चान र्ग सी ध र्ग व १५
 चान पा चं विस नी ग २०
 चान क डी चो विस नी वि २४
 चान स र्ग अर्थ र्ग र्ग र्ग नी च्या २८
 चान आर्थ र्ग नि स र्ग र्ग र्ग न सि ३२
 चान न डी क नि स र्ग य व ३५
 चान दसा चाली स र्ग य ४०

पाचयकीकाचहा ७
 पाचइनादसमिग १०
 पाचनिधिधुसहा १५
 पाचचानविसनीग २०
 पाचपार्चपचिसनिहा २५
 पाचकुशीनिससुं०ग ३०
 पाचसाधपयानिससुं०हा ३५
 पाचभाधभाहिसपीग ४०
 पाचनशीपयगालिसपीहा ४५
 पाचदसपयचासठंयु ५०
 कुशापकीकुशा ५
 कुशादुर्नावाहुसनीसि १२
 कुशानिनिअधानसीया १८
 कुशाचानचोविसनिधि २४
 कुशापाचनिससुं०ग ३०
 कुशाकुशाकुनिससुं०धु ३३
 कुशागाहवयालिसनिधिनसी ४२
 कुशाभाधअधनालिसपीया ४८
 कुशनशीचोशीनरुहा ५४
 कुशादसपिसाधिसुमग ५०

सागयकीसागहे १
 सागदुर्नाचोधसंधि १४
 सागनिधियका००सनीकि २१
 सागचाहीअध००सनीया २८
 सागपाचपयानिससुं०हा ३५
 सागकुशीवयालिसपीनोसे ४२
 सागसागुनचासपीग ४५
 सागभाधकुपीनधधु ५३
 सागनवीधिसाधिसुं०सा ५३
 सागदसपिसगनिकुमेग १०

आधयकआधया ८
 आधदुर्नासाधसधु १३
 आधानिनिचोविसनीधि २४
 आधचासर्वनिस्सुं०ननि ३३
 आधपाचचालिसपीग ४०
 आधकुशीअधचालिसपीया ४५
 आधसागकुपीनरुधु ५३
 आधआधचोसधिसुं०पीउठ ५४
 आधनशीवरुद्रकयननि ७२
 आधदसीससीचयग ८०

श्री यक्ष नमो ग ॥ १८
 श्री दुर्गा स्तुत्यं नमो ॥ १९
 श्री त्रिनिं सगा ०० सनी ॥ २०
 श्री चानं क नि स ०० ॥ २१
 श्री पाचं ययना लि सपी ॥ २२
 श्री कुर्गं चोर्ग न ०० ॥ २३
 श्री मार्गं तिस थि ०० ॥ २४
 श्री आर्थं वरु न क्रय नमि ॥ २५
 श्री श्री नमो यका सी चय कि ॥ २६
 श्री श्री दसी नव ०० ॥ २७
 दसय की दसमि ॥ २८
 दसा इनी वि स नी ॥ २९
 दसगि नी ति स ०० ॥ ३०
 दस चानं चालि स पी ॥ ३१
 दस पाचं यचा स ०० ॥ ३२
 दस कुर्गं सा थि ०० ॥ ३३
 दस साधं सल नि क्रय ॥ ३४
 दस आर्थं जसी चय ॥ ३५
 दस नमो नव ०० ॥ ३६
 दस दसी सव ०० ॥ ३७

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

मकराक्षी दस भिज्ज हिकि

ॐ

ॐ ॐ ॐ

सवित्री श्रीसर्वोत्तमामनुजोपमादि
सकलपुत्रप्रसूताभार्या

सर्व



दृष्टं नास्तीति श्रीमद्भगवत्पदि
विष्णवे नमः
सर्वं भूतं भूतं
विष्णवे नमः
नमः
सर्वं भूतं भूतं
विष्णवे नमः
नमः
सर्वं भूतं भूतं
विष्णवे नमः
नमः